केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 110 बुधवार 13 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बस्ती को मिली 2959 मैट्रिक टन मिली फास्फेटिक खाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद को मिली 2959 मैट्रिक टन मिली फास्फेटिक खाद मिली। इस खाद का समान रूप से वितरण मंडल के तीनों जिलों में होगा। यह जानकारी एआर कोऑपरेटिव आशीष श्रीवास्तव ने दी। एआर कोऑपरेटिव ने बताया कि शासन से आवंटित 1920 मैट्रिक टन डीएपी और 1039 मैट्रिक टन एनपीके प्राप्त हुई। इसमें से बस्ती को 660 एमटी डीएपी और 340 एमटी एनपीके मिलेगी। इन खादों को 34 उर्वरक बिक्री केंद्रों को रैक प्वाइंट से ही भेज दिया गया। खाद को जिन बिक्री केंद्रों को भेजा गया है उनमें साधन सहकारी समितियों, इफको के बिक्री केंद्र, सहकारी क्रय विक्रय केंद्र, केंद्रीय उपभोक्ता भंडार व डीसीएफ के केंद्रों को भेजा गया। इफको के प्रतिनिधि ने बताया कि जल्द ही उनकी एक और रैक बस्ती आने वाली है। इसको प्राप्त होते ही नवंबर माह में मांग के सापेक्ष फास्फेटिक उर्वरक की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं आने पाएगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए 124 परीक्षा केन्द्र निर्धारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा वर्ष 2025 के लिए परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। डीआईओएस कार्यालय पर सूची को चस्पा कर दिया गया। डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल ने बताया कि केन्द्र निर्धारण को लेकर किसी तरह की आपत्तियों को ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में 14 नवंबर की शाम पांच बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। समय सीमा के बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। जिले में बीते शैक्षिक सत्र में 122 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। इस बार इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

यूपी बोर्ड के परीक्षा केंद्र बनाने की प्रक्रिया 17 सितंबर से शुरू हुई थी। इस बार निर्धारित मानकों पर 25 सितंबर तक प्रधानाचार्यों से ऑनलाइन आवेदन लिया गया था। उसके बाद तहसीलस्तरीय कमेटी ने जांच की। केंद्र बनाने के लिए विद्यालय के संसाधन और उपलब्धि के अनुसार अंक निर्धारित किए गए थे। उन अंकों के आधार पर केंद्र बनाने की प्रक्रिया की गई। जांच के बाद जिले में 124 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद ही केन्द्र निर्धारण की फाइनल लिस्ट जारी होगी।

चार रोडवेज चालक बर्खास्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोडवेज बस्ती डिपो में तैनात चार चालकों की सेवा लापरवाही में समाप्त कर दी गई है। एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि चारों चालक संविदा के थे। वह लगातार अनुपस्थित चल रहे थे। बताया कि संविदा चालक विकास को दो नवंबर को ड्यूटी पर जाने के लिए आदेशित किया गया, लेकिन नहीं गए। इससे संचालक कार्य प्रभावित हुआ। मो. इब्राहिम 31 अक्तूबर से अनुपस्थित चल रहे थे। नोटिस देकर जवाब मांगा गया, लेकिन जवाब नहीं आया। एक बार नवीन अवसर पर बहाल हुए थे, फिर भी सुधार नहीं हुआ। सुनील कुमार ड्यूटी के प्रति लगातार लापरवाही बरत रहे थे।

नोटिस देकर जवाब मांगा गया, कार्य में दोषी पाया गया। दिनेश पांडेय भी ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरत रहे है। जांच में कम ड्यूटी करने पर दोषी पाया गया। वरिष्ठ केंद्र प्रभारी की रिपोर्ट पर इन सभी की प्रतिभूति धनराशि जब्त करते हुए सेवा समाप्त कर दी गई है। संविदा सूची से नाम हटा दिया गया है।

प्रयागराज में छात्रों का आक्रोश जारी: बंद कराई गईं दुकानें: छात्रों ने दिया नारा न बटेंगे न हटेंगे

प्रयागराज (आभा)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के निर्णय को लेकर अभी भी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। रातभर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रतियोगी छात्रों ने भी अपना एक नारा गढ़ लिया है। बेमियादी धरने पर बैठे छात्रों का नारा है, :न बटेंगे न हटेंगे।' इस नारे वाले हजारों पर्चे छात्रों के बीच वितरित किए गए। इसके अलावा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत के खिलाफ नारेबाजी और उनके पोस्टर लहराया जा रहा है।

छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने आयोग के आसपास की सारी दुकानें बंद कर दी हैं। छात्रों को आयोग के सामने से हटाने के लिए पुलिस कुछ देर में फिर प्रयास कर सकती है। आंदोलन को खत्म करने का आयोग और प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

छात्रों ने 'न बटेंगे न हटेंगे' इस नारे के जरिये आयोग को संदेश भेजा है कि जब तक दो दिन परीक्षा कराने और नॉर्मलाइजेशन निरस्त करने का नोटिस जारी नहीं किया जाएगा, तब तक छात्र धरना स्थल से हटने वाले नहीं हैं। धरना स्थल पर छात्रों ने हाथों में कई तख्तियां भी ले रखीं थीं, जिन पर नारे लिखे थे। छात्र इन नारों के जरिये आयोग के निर्णय के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ–एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा–2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति की खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक है।

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की फिर हुई तलाशी, भड़की शिवसेना

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की एक बार फिर तलाशी ली गई है। उद्धव की पार्टी– शिवसेना यूबीटी इस कार्रवाई को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है। खबरों के

मुताबिक चुनाव प्रचार के सिलसिले में हेलीकॉप्टर से लातूर गए उद्धव के हेलीकॉप्टर के साथ–साथ उनके बैग की भी तलाशी ली गई। शिवसेना के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कार्रवाई की वीडियो भी शेयर की गई है। शिवसेना यूबीटी का आरोप है कि शिवसेना पर प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई हो रही है, जबकि सत्ताधारी महायुति में शामिल दल–(भाजपा–शिवसेना–एनसीपी) की तरफ से पैसे बांटने की घटना पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। चुनाव आयोग ने कहा है कि कार्रवाई तय नियमों के मुताबिक होती है।

बता दें कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होना है। इससे पहले सियासी आरोप–प्रत्यारोप जमकर हो रहे हैं। चुनाव आयोग और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर संविधान की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए शिवसेना ने कहा, 'डॉ. बाबा साहब द्वारा लिखे गए संविधान में हम सभी के लिए समान न्याय की बात कही गई है। लेकिन व्यवस्थाओं को अपने हाथ में लेकर और लोकतंत्र को रौंदकर राज करने वाले दिल्ली के लोगों ने हर स्तर पर उस संविधान की अवहेलना करने का फैसला किया है।'

शिवसेना ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों ने उद्धव ठाकरे के सामान की जांच की। एक्स हैंडल पर शेयर वीडियो के साथ मराठी भाषा में लिखे ब्यौरे में शिवसेना ने कहा, 'जो हुआ वह बहुत बढ़िया था।

आदेश के बावजूद नहीं कर रहे हैं भूमि की पैमाइश, मण्डलायुक्त से न्याय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के नगर खास निवासी उमेश कुमार दुबे ने मण्डलायुक्त को रजिस्टर्ड पत्र देकर गाटा सं० 233 रक्बा 0.111 हेक्टेयर स्थित मौजा नगर खास की टीम गठित कर पैमाइश कराने की मांग किया है। उप जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद पैमाइश में हीला हवाली की जा रही है।

पत्र में उमेश कुमार दुबे ने कहा है कि बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम नगर खास में आराजी संख्या खतौनी में 233/0. 111 है। उनकी माता के नाम खतौनी में तनहा संक्रमीय भूमि धर दर्ज है और भूमि पर कब्जा भी है। इस आराजी की पैमाइश के लिये उप जिलाधिकारी सदर बस्ती ने गत 27 नवम्बर 2023 को पैमाइश हेतु आदेश पारित किया था परन्त सम्बन्धित टीम द्वारा येनकेन प्रकारेण बहाने बाजी करके आदेश का अनुपालन न करके पैमाइश नहीं कराया गया । इस पर पुनः 28 अगस्त 2024 को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर उपजिलाधिकारी बस्ती सदर ने उक्त आराजी के पैमाइश हेतु नायब तहसीलदार नगर, एसीओ गनेशपुर को संयुक्त रूप से नियमानुसार कार्यवाही कराने तथा कार्यवाही की आख्या देने हेत आदेश पारित किया था । इस आदेश का भी आज तक अनुपालन नहीं किया गया है । इस भूमि में लोहे के एंगल तार आदि से बाड लगा कर उमेश कुमार दुबे वृक्षारोपगण करना चाहते है। पत्र में कहा गया है कि भूमि सम्बन्धी विवाद शासन की प्राथमिकता में है जिस की अनदेखी करके शासनकी मंशा का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। मांग किया कि प्राथमिकता के स्तर पर गाटा सं० 233 रक्बा 0. 111 हेक्टेयर स्थित मौजा नगर खास का पैमाइश कराया जाय।

करोड़ो रूपया खर्च करने के बाद भी बदहाल क्यों हैं अमरौली शुमाली..!

–सौरभ वीपी वर्मा–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत में पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद देश भर के गांवों में मूलभूत सुविधाओं और आवश्यकताओं पर काम करने के लिए तेजी से बल दिया गया और वर्ष दर वर्ष भारत के गांवों को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा कई प्रकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की शुरुआत किया गया ताकि भारत की सभ्यता और संस्कृति का विकास हो सके लेकिन जिम्मेदार लोगों की उदासीनता और भ्रष्टाचार के चलते आजादी के साढ़े सात दशक बीत जाने के बाद भी ग्राम पंचायतों की दशा और विकास के दिशा में परिवर्तन होता नही दिखाई दे रहा है।

बस्ती जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली जनपद की दूसरी सबसे बड़ी ग्राम पंचायत है जहां पर करीब दस हजार की आबादी निवास करती है ग्राम पंचायत में राज्य वित्त ,केंद्रीय वित्त ,मनरेगा के अलावा क्षेत्र पंचायत निधि , जल निगम ,नलकूप विभाग सहित कई विभागों और निधियों से विकास कार्य किये गए लेकिन इन सब में करोड़ो रुपया खर्च होने के बाद भी यहां की व्यवस्थाएं पूरी तरह से सिफर है।

ग्राम पंचायत में वर्ष 2014 में एक करोड़ 59 लाख की लागत से ओवर हेड टैंक का निर्माण करवाया गया ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ जल मिल सके लेकिन अमरौली शुमाली ग्राम पंचायत के 56 मजरों पर पानी नही पहुंच सका लिहाजा विभाग ने करीब 40 लाख रुपया फिर से खर्च किया लेकिन उसके बाद ग्राम पंचायत के लोगों को ओवर हेड टैंक से स्वच्छ जल पीने का नसीब नही हुआ नतीजन करीब 2 करोड़ रुपया खर्च होने के बाद स्वच्छ पेय जल योजना हाथी दांत बनकर रह गया।

देश में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत होने के बाद ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली में करीब एक हजार व्यक्तिगत शौचालय , सामुदायिक शौचालय, कई दर्जन कूड़ेदान इत्यादि में करीब 2 करोड़ रुपया खर्च किया गया लेकिन इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बाद भी न तो ग्राम पंचायत खुले में शौच से मुक्त हो पाया और न ही सावर्जनिक स्थानों पर साफ सफाई की व्यवस्था मुकम्मल हो पाया परिणाम यह है कि की वर्ष दर वर्ष लाखों रुपया ग्राम पंचायत निधि से खर्च किया जा रहा है उसके बाद भी गंदगी और कूड़े के ढेर पर ग्राम पंचायत टिका हुआ है।

ग्राम पंचायत में वर्ष 2020–21 में पंचायत निधि से करीब 5 लाख रुपया खर्च करके सड़क के किनारे लगे बिजली के पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य किया गया लेकिन रख रखाव और मरम्मत के अभाव में 95 फीसदी स्ट्रीट लाइट पोल पर या तो खराब हो गए या फिर गायब हो गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत में उपरोक्त निधियों से कई करोड़ रुपया खर्च किया गया लेकिन परिणाम यह है कि इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बाद भी योजना अपने उद्देश्य की पूर्ति नही कर पाया । ऐसी स्थिति में सवाल खड़ा होता है कि क्या कमीशन खोरी और बंदरबांट की वजह से ही योजनाओं की शुरुआत होती है या फिर जिस योजना पर लाखों करोड़ों रुपया खर्च किया जाता है उससे ग्रामीणों को लाभ मिल पायेगा।

मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले राजनीति बाद में

मुम्बई (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सीएम योगी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को खरी–खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले है, राजनीति बाद में, लेकिन आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है।

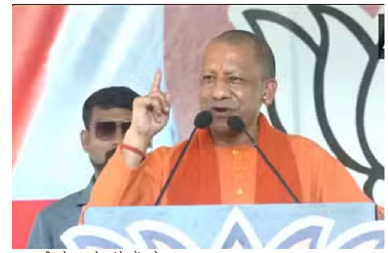

महाराष्ट्र के अचलपुर में रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तीन दिन से मुझ पर नाराज हो रहे हैं कि मैं ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों कर रहा हूं। खड़गे जी! मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले है। राजनीति बाद में। मेरे और आपमे यही अंतर है। मेरे नेता मोदी ने यही बताया है कि हर काम, पहले देश के नाम। आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है। यही कारण है कि आप न सच्चाई बोल पा रहे हैं, न समझ पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि खड़गे जी के परिवार के साथ आजादी के तत्काल बाद घटना घटित हुई थी। खड़गे जी का गांव बारावत्ती हैदराबाद के निजाम के अधीन था। देश की आजादी के पहले अंग्रेजों को लगा कि अब भारत के क्रांतिकारियों के सामने अधिक दिन तक नहीं टिक पाएंगे तो उसने भारत के विभाजन को लेकर रोडमैप तय किया। वे देश में मुस्लिम लीग को देश में प्रोत्साहित करने का कार्य कर ही रहे थे। उस समय कांग्रेस नेतृत्व भी मुस्लिम लीग के सामने सरेंडर कर चुका था। यही कारण था कि मुस्लिम लीग निर्ममता से हिंदुओं को काट रहा था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व सत्तालोलुप होकर मौन बना था।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिशरों ने देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत का हिस्सा बनें, चाहें तो पाकिस्तान का हिस्सा और चाहें तो स्वतंत्र अस्तित्व भी रख सकते हैं। भारत में जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने खुद को स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित करने की चेष्टा की। जिस समय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिनों तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा, तब उसने निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम शुरू कराया था।

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हैदराबाद रियासत के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व हिंदुओं का आह्वान किया कि वे वहां सुरक्षित नहीं हैं, महाराष्ट्र की तरफ आ जाएं।

समेकित शिक्षा पर एक दिवसीय मंडलीय कार्यशाला में विमर्श

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समग्र शिक्षा के समेकित शिक्षा अंतर्गत एकदिवसीय मंडलीय कार्यशाला का आयोजन शहर स्थित एक होटल में मंगलवार को किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल ओमप्रकाश मिश्र द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल की अगुवाई में अतिथियों का माल्यार्पण कर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि यदि कोई कार्य मिलजुल कर किया जाए तो उसका परिणाम निश्चित रूप से सार्थक होता है। दिव्यांग बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें इसके लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। एडी बेसिक ने कहा कि हमें प्रत्येक दिव्यांग बच्चे के आत्मबल तथा इच्छाशक्ति को मजबूत करना होगा, तभी प्रत्येक

दिव्यांग बच्चा सफल हो सकेगा। कार्यशाला को जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल, राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के राज नारायण सिंह, उपनिदेशक दिव्यांगजन विभाग बस्ती मंडल अनूप सिंह, आरबीएसके नोडल डॉ एके चौधरी, मनोविज्ञान केंद्र गोरखपुर की प्रवक्ता डॉ सीमा श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में मंडल के सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, सभी स्पेशल एजुकेटर, फिजियोथैरेपिस्ट, 10 दिव्यांग बच्चे एवं उनके अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मंडलीय समन्वयक मिथिलेश श्रीवास्तव, समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक रजनीश बैद्यनाथ, सुनील कुमार त्रिपाठी, करुणा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार का आरोप: डीएम से जांच कराकर पद समाप्त कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत दुबखरा के संसारपुर निवासी जितेन्द्र कुमार ने मंगलवार को जिलाधिकारी को शपथ पत्र देकर ग्राम प्रधान राजेन्द्र कुमार पर विकास कार्यो में भ्रष्टाचार, मनरेगा में अनियमितता आदि का गंभीर आरोप लगाते हुये विकास कार्यो के भौतिक सत्यापन और सरकारी धन के बंदरबांट के रिकबरी और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है। जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुये टीम गठित कर जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र कुमार ने शपथ पत्र में कहा है कि ग्राम पंचायत दुबखरा में माह जुलाई वर्ष 2013 में रोजगार सेवक का पद खाली होने पर राजेन्द्र कुमार पुत्र छोटेलाल निवासी संसारपुर पोस्ट गाधीनगर जनपद बस्ती ने नियम विरूद्ध तरीके से ग्राम पंचायत दुबखरा का फर्जी रूप से रोजगार सेवक बन करके वर्ष 2021 तक का कार्य किया और वर्ष 2017 में विधान सभा चुनाव में रोजगार सेवक के पद को तहसील बस्ती के अभिलेखो मे दर्ज कराके बी०एल०ओ० की ड्यूटी कर मानदेय प्राप्त किया जिसका रिकार्ड विधानसभा 311 महादेवा (अ०जा०) के बी०एल०ओ० / सुपर वाइजर की सूची, तहसील सदर, जनपद बस्ती के क्रमांक 397 प्रा० विद्यालय संसारपुर बी०एल०ओ० का नाम राजेन्द्र कुमार पद रोजगार सेवक, सुपर वाइजर शंशाक सिंह का नाम अंकित है। इसी बीच वर्ष 2017 में राजेन्द्र कुमार रोजगार सेवक पद का मानदेय धारक होने के साथ–साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भ्रष्ट्राचार करके ग्रामीणे के मनरेगा की फर्जी हाजिरी के जरिये काफी रूपयो का भुगतान बिना कार्यों के किये ही कराया, वर्ष 2017 में राजेन्द्र कुमार फर्जी रोजगार सेवक अपने माता पिता के जाब कार्ड संख्या यूपी 53–010–032– 002/113 में फर्जी मनरेगा हाजिरी के द्वारा अपने माता, पिता व भाई के बैंक खाते में भेज कर काफी रूपये सरकार से हड़पे इतना ही नहीं मानदेय धारक होने के साथ–साथ राजेन्द्र कुमार ने वर्ष 2017 स्वयं का मनरेगा जाब कार्ड संख्या यूपी 53–010–032–002/290 में मनरेगा की फर्जी हाजिरी के रूपये का भुगतान वर्ष 2020 तक बिना मजदूरी किये ग्राम पंचायत दुबखरा के विभिन्न कार्यों को दिखा कर व ग्राम पंचायत जोगिया आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में मजदूरी कार्य का भुगतान करके हड़प लिया। राजेन्द्र कुमार के कृत्यों की जांच कराने के लिए वर्ष 2020 व 2021 में शिकायत ब्लाक व अपर जिलाधिकारी को दिया था किन्तु राजनीतिक पकड़ होने के कारण उसके विरूद्ध कार्रवाई नहीं हो पायी थी। भ्रष्टाचार के बल पर राजेन्द्र कुमार ने वर्ष 2021 में ग्राम प्रधान का चुनाव जीत लिया और जितेन्द्र कुमार और उनके परिवार पर जांच न कराने का दबाव देकर घर परिवार को तबाह करने की धमकी भेजवाता रहता है। ग्राम प्रधान राजेन्द्र कुमार का हौसला अब इतना बढ़ गया है कि अपने मित्र रमेश कुमार की पत्नी अनीशा देवी जो कि वर्तमान बी०डी०सी० सदस्य और समूह सखी के पद पर मानदेय धारक संविदा कर्मचारी है उसके बैंक खाते में मनरेगा की फर्जी दिहाड़ी भरकर सरकारी धन का बन्दरबाट कर रहा है। ग्राम प्रधान राजेन्द्र कुमार अपने सगे भाईयो और बी०डी०सी० अनीशा के घर के सदस्यो की फर्जी हाजिरी के सहित मनरेगा की हाजिरी भेजकर भ्रष्टाचार कर रहा है। तमाम फर्जी मजदूरों को जाब कार्ड के जरिये बिना कार्य कराये ही मजदूरी भुगतान करके उसमें से हिस्सा लेकर बन्दर बाट किया जा रहा है। वह विद्यालय कालेजो में पढ़ने वाले छात्राओ के खाते में मनरेगा की फर्जी हाजिरी भेजकर बन्दर बाट कराने में लगा है। ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत में तमाम कच्चे पक्के निर्माण का भी घोटला करके मनरेगा मजदूरी आदि में घोटला कर लिया है। ग्राम पंचायत दुबखरा के समस्त कच्चे एंव पक्के निर्माण के कार्यों के भुगतान का विवरण आर०टी०आई० के माध्यम से मांगी गई है। जितेन्द्र कुमार ने मांग किया है कि राजेन्द्र कुमार ग्राम संसारपुर के उपरोक्त कृत्यों की जांच कराने के लिए उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित करके जांच कराने के साथ ही उसके ग्राम प्रधान का पद समाप्त कराया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 नवम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

महाकुंभ और प्रदूषित गंगा

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश–दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी–भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ की की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थो के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब तक समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

ए.एम.यू. के अल्पसंख्यक दर्जे पर ऐतिहासिक निर्णय

—के.एस. तोमर—

भारत के सर्वोच्च न्यायालय का हाल ही में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (ए.एम.यू.) के अल्पसंख्यक दर्जे पर दिया गया निर्णय न केवल इस संस्थान के लिए, बल्कि व्यापक शैक्षिक और कानूनी परिप्रेक्ष्य में भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह निर्णय, जो विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक संस्थान के रूप में दर्जे की व्याख्या के इर्द–गिर्द घूमता है, कई प्रमुख कानूनी, राजनीतिक और सामाजिक चिंताओं का समाधान करता है। निर्णय के बाद, केंद्रीय सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) को ए.एम.यू. की स्वायत्तता पर अपने दृष्टिकोण की पुनरू समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि यह निर्णय ए.एम.यू. को उसका अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करता है, मगर सरकार नई नियमावली लाने का प्रयास कर सकती है, जो अल्पसंख्यक अधिकारों और अन्य समुदायों के हितों के बीच संतुलन बनाए।

अन्य अल्पसंख्यक संस्थानों पर प्रभाव – यह निर्णय अन्य संस्थानों के अल्पसंख्यक दर्जे पर समान मामलों को उत्पन्न कर सकता है। इसमें वे विश्वविद्यालय भी शामिल हो सकते हैं, जो अल्पसंख्यक दर्जे का दावा करते हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उन्हें इस दर्जे से मान्यता प्राप्त नहीं है। इसके परिणामस्वरूप यह मांग उठ सकती है कि अल्पसंख्यक संस्थान की परिभाषा को स्पष्ट किया जाए और यह निर्धारित किया जाए कि इन संस्थानों का प्रशासन कैसे किया जाना चाहिए।

हालांकि यह निर्णय ए.एम.यू. के लिए मामला समाप्त कर देता है, लेकिन भविष्य में इसे कानूनी जांच के दायरे में लाया जा सकता है। भारत में अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर जटिल कानूनी और राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए भविष्य में कई मामले न्यायालय के इस निर्णय की सीमा का परीक्षण कर सकते हैं। शैक्षिक नीति और अल्पसंख्यक संस्थानों के प्रबंधन पर इसके प्रभावों का विकास जारी रह सकता है।

यह निर्णय सामाजिक और राजनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है, विशेषकर उन राज्यों में, जहां अल्पसंख्यक समुदायों की संख्या अधिक है। निर्णय के आलोचक यह तर्क दे सकते हैं कि यह धर्म आधारित विभाजन को बढ़ावा देता है, जबकि इसके समर्थक इसे अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए आवश्यक सुरक्षा के रूप में देख सकते हैं। यह निर्णय शिक्षा में धर्म की भूमिका पर नई बहसों का कारण बन सकता है और यह विचार भी उठ सकता है कि क्या ऐसे संस्थानों को राज्य की ओर से वित्तीय सहायता मिलनी चाहिए?

इस निर्णय ने भारत में अन्य अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल स्थापित की है। यह एक स्पष्ट संदेश देता है कि अल्पसंख्यकों के लिए शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का बुनियादी अधिकार संरक्षित रहेगा। यह न केवल ए.एम.यू. के लिए, बल्कि अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो अपने अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। निर्णय ने भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा को मजबूत किया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 को विशेष रूप से गैर–सरकारी संस्थाओं के मामलों में अक्सर चुनौती दी जाती रही है। ए.एम.यू. के अल्पसंख्यक दर्जे की पुनरू पुष्टि करके न्यायालय ने इस अनुच्छेद के महत्व को पुनरू स्थापित किया है, जो अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों को संरक्षित करता है। यह निर्णय विशेष रूप से भारत में सांप्रदायिक संबंधों के संदर्भ में राजनीतिक प्रभाव डाल सकता है। ए.एम.यू. भारतीय मुस्लिम पहचान, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीयता के बीच बहस का केंद्र रहा है। यह निर्णय राजनीतिक विमर्श को तेज कर सकता है, जिसमें यह सवाल उठ सकता है कि क्या अल्पसंख्यक संस्थानों को विशेष अधिकार मिलना चाहिए, जबकि शैक्षिक प्रणाली अधिक विविध और प्रतिस्पर्धात्मक होती जा रही है।

ए.एम.यू. का अल्पसंख्यक दर्जा बहाल होना मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है, विशेष रूप से उन छात्रों के लिए, जो धार्मिक रूप से समायोजित माहौल में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं। यह समावेशिता की भावना को बढ़ावा दे सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि भारतीय समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग को उस शैक्षिक अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा जो अन्य समुदायों को इस संस्थान से मिल सकता है।

यह मामला भारतीय उच्च शिक्षा के लिए भी व्यापक निहितार्थ रखता है। यह इस बात पर चर्चा को प्रेरित कर सकता है कि क्या देश भर में समान संस्थानों को समान विशेषाधिकार प्रदान किए जाने चाहिएं? यह अल्पसंख्यक अधिकारों, आरक्षण और शैक्षिक संस्थानों की स्वायत्तता पर सरकारी नीतियों के पुनरू मूल्यांकन की प्रक्रिया को उत्पन्न कर सकता है। यह निर्णय पिछले निर्णयों का सीधे तौर पर उत्तर है, विशेष रूप से 1967 में यू.जी.सी. द्वारा ए.एम.यू. का अल्पसंख्यक दर्जा रद्द करने के कदम के खिलाफ। यह निर्णय उन विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सरकारों के हस्तक्षेपों का भी जवाब है, जिन्हें ए.एम.यू. के अल्पसंख्यक चरित्र को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा गया था। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इन लंबित विवादों को निपटाने का प्रयास करता है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (ए.एम.यू.), जिसकी स्थापना 1920 में हुई थी, भारत के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में से एक है। इसे मूल रूप से एक मुस्लिम अल्पसंख्यक संस्थान के रूप में स्थापित किया गया था और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत इसे अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया था, जो अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार प्रदान करता है। यह प्रावधान धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय, के शैक्षिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का यह एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा को मजबूत करता है। यह ए.एम.यू. और अन्य समान संस्थाओं की स्थिति को स्पष्ट करता है, जिससे उनकी स्वायत्तता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा होती है। हालांकि, इस फैसले के दूरगामी परिणाम भी हैं, जो सरकारी नीतियों को प्रभावित करने से लेकर अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों के भविष्य को आकार देने तक हो सकते हैं। इस फैसले के राजनीतिक और सामाजिक परिणाम आगे भी सामने आते रहेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि अल्पसंख्यक दर्जे का मुद्दा भारतीय शैक्षिक विमर्श में कई सालों तक एक महत्वपूर्ण विषय बना रहेगा।

विकास और पर्यावरणीय प्रलय

—अविजित पाठक—

इन दिनों, खुद की पीठ ठोंकने के लायक बात है कि यह लेखक कार खरीदने के प्रलोभन से बचा हुआ है। वास्तव में, जिस शख्स को पैदल चलना बहुत पसंद हो, उसे यह सोचकर अच्छा लगता है कि इस नैसर्गिक कार्य से कोई कार्बन उत्सर्जन नहीं होता, और वह न्यूनतम ही सही, जलवायु आपातकाल के खतरे से निपटने में अपना योगदान कर रहा है। हालांकि, पैदल यात्री को आजकल एक बाधा के रूप में देखा जाता है। आखिरकार ऐसा लगता है, हमारे राजमार्ग, सड़केंध्गलियां सिर्फ कारों, मोटरबाइक और अन्य वाहनों के लिए ही हैं।

कोई आश्चर्य नहीं कि शांति से चलना या बिना किसी चिंता के सड़क पार करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। विद्रूपता यह कि अगर आप कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक भूमिका निभाना चाहते हैं– भले ही वह कितनी भी न्यूनतम हो– तो आपकी जरूरत नहीं है। भले ही वैज्ञानिक और पर्यावरणविद हमें बार–बार याद दिला रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन निरंतर जलने के कारण दुनिया जलवायु आपातकाल की स्थिति में पहुंच चुकी है, फिर भी हम पेड़ काटने, मेगा एक्सप्रेसवे बनाने, गति एवं गतिशीलता का महिमामंडन करने, कार खरीदने (अधिक से अधिक बड़ी) और कस्बोंध्शहरों को इस तरह से डिजाइन करने से कभी नहीं थकते कि पैदल चलना या साइकिल चलाना लगभग असंभव हो जाए।

दिल्ली सांख्यिकी पुस्तिका 2023 के आंकड़े भयावह हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी वाहन थे। यह खेल जारी है, भले ही वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के प्रदूषण का लगभग 38 प्रतिशत है। यह पूरी तरह आत्मघाती है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु के भाग्य की कल्पना करें दृ एक शांत शहर का शोरगुल भरे क्षेत्र में बदल जाना, जो अब अपने कुख्यात ट्रैफिक जाम के लिए जाना जाता है। जैसा कि एक रिपोर्ट बताती है, 23 लाख से अधिक निजी कारों वाले इस शहर में वाहन से महज 10 किमी की दूरी तय करने में औसतन 30 मिनट खप जाते हैं!

ऐसा लगता है कि हम एक दुष्चक्र में फंस गए हैं रू अधिक कारें, अधिक ट्रैफिक जाम, अधिक फ्लाईओवर, अधिक एक्सप्रेसवे, अधिक प्रदूषण। फिर भी, तकनीक–पूंजीपति, ठेकेदार और राजनेता लॉबी ने जल्द ही चालू किए जाने वाले एक अन्य एक्सप्रेसवे का महिमामंडन करना शुरू कर दिया है। जी हां, 264 किलोमीटर लंबा यह दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे आपको इन दोनों शहरों के बीच सिर्फ 2.5 घंटे में यात्रा करने लायक बनाएगा!

और हमेशा की तरह, हम किसी फैंसी कार का नवीनतम मॉडल खरीदकर, इस आकर्षक एक्सप्रेसवे पर ड्राइव करने को ललचाएंगे, जिसका रोमांच अति–आधुनिक समय में धर्म–सा बन गया है– तेज और तेज गति। और हम आसानी से यह भूल रहे हैं कि इस एक्सप्रेसवे को बनाने में, खुद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक 7,555 पेड़ पहले ही गिराए जा चुके हैं! पेड़ों के दर्द और परिणाम में बनने वाली मानवीय त्रासदियों की किसे परवाह?

इसी तरह, विकास की आधुनिकतावादी भेड़चाल में निहित गतिध्गतिशीलता ने भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात में जबरदस्त वृद्धि की है, 2024 में हवाई यात्रायों की संख्या 15 करोड़ पार करने की उम्मीद है। 'प्रगति' की इन गाथाओं के बीच, क्या हमने यह सोचने–समझने की जहमत उठाई कि परिवहन के साधनों में हवाई यात्रा सबसे ज्यादा कार्बन–उत्सर्जन करने वाली गतिविधि है?

ऐसा लगता है कि हम इसकी कीमत चुकाने को तैयार हैं। मेट्रो शहरों में हम प्रदूषित सांसें ले रहे हैं, पार्किंग की जगह को लेकर अपने पड़ोसियों से झगड़ते हैं और गति एवं शोर के निरंतर संपर्क में रहने के कारण उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित हो रहे हैं।और मुझे लगता है कि गति और गतिशीलता के प्रति इस आसक्ति का विरोध किया जाना चाहिए जिसका प्रतीक हमारे एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे हैं। यह लेखक 'धीमेपन' की लय का आनंद लेता है।

गति के प्रति हमारे आकर्षण का एक अन्य परिणाम है– उपभोक्तावादी पंथ। 'एक खरीदो, एक मुफ्त पाओ'– बाजार द्वारा संचालित यह मंत्र हमें अधिक खरीदने और उपभोग करने के लिए उकसाता है, चाहे यह नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक सामान हो, कोई फैंसी परिधान, आलू चिप्स या डिटर्जेंट पाउडर का पैकेट, या फिर नया स्मार्टफोन। उपभोगवाद का यह सामान्यीकरण पर्यावरण को और प्रदूषित करता है। इन उत्पादों को बनाने के लिए विशालकाय कारखाने और ढुलाई परिवहन के परिचालन के वास्ते भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है। इसी तरह, कपड़ा उत्पादन में हर साल लाखों टन गूदड़ का कचरा पैदा होता है, और बहुत कम कपड़े ही रिसाइकिल हो पाते हैं। इसके अलावा, जैसे–जैसे ई–कॉमर्स ने पैक किए सामानों पर हमारी निर्भरता बढ़ाई है, प्लास्टिक में लिपटे लाखों पैकेज भारी मात्रा में कचरा पैदा करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्लास्टिक जीवित प्राणियों को हानिकारक रसायनों के संपर्क में लाता है जो कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसी प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स में दुर्लभ धातुएं होती हैं जो अक्सर लैंडफिल में निपटाई जाती हैं। इसके अलावा, प्लास्टिक का कचरा समुद्र में पहुंचकर समुद्री जीव प्रजातियों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है।

फिर भी, पूंजीवाद का सिद्धांत हमें अधिक खरीदने, और अधिक उपभोग करने और इस तरह पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाता रहता है। जब आप किसी शॉपिंग मॉल में जाते हैं, तो विशेष 'ऑफर और छूट' के संदेश प्राप्त होते हैं और खरीदारी एवं खरीद को सामूहिक मनोरंजन का रूप दे दिया जाता है, तब आपको अहसास होता है कि उपभोक्तावाद हमारे वक्त का सबसे प्रिय धर्म है। फिर भी, यह लेखक एक 'न्यूनतमवादी' बने रहना चाहता है। उसे पता है कि उसका 'धीमा जीवन' या 'न्यूनतमवाद' हमारे आस–पास जो कुछ भी हो रहा है उसका कोई उत्तर नहीं है– जलवायु आपातकाल की साक्षात दिखाई दे रही उपस्थिति और उसके तमाम विनाशकारी परिणाम रू ग्रीनहाउस गैसों के निरंतर उत्सर्जन से औसत वैश्विक तापमान में 1.1–1.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना, तीव्र से तीव्रतर होती गर्मी, बार–बार आने वाली भयावह बाढ़ें, चक्रवात, जंगलों की आग और मानव जीवन की हानि।

हमें एक बड़े पैमाने पर संरचनात्मक परिवर्तन के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है जिसके लिए विश्व के नेताओं, नीति निर्माताओं व कॉर्पोरेट अभिजात्य वर्ग को ऐतिहासिक पेरिस समझौते को गंभीरता से लेना होगा और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सतत कमी लाने के लिए विकास और आर्थिक संवृद्धि की नीतियों पर पुनर्विचार करना होगा। लेकिन फिर, कोई बड़ी क्रांति तब तक संभव नहीं है जब तक हम –आप और मैं– कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने का प्रयास नहीं करते, सरकारों पर दबाव नहीं डालते और हमारी पृथ्वी को आपदा से बचाने के लिए आंदोलन शुरू नहीं करते।–लेखक समाजशास्त्री हैं।

पुष्कर मेले में जीवंत होती है लोक संस्कृति

—रमेश सर्राफ धमोरा—

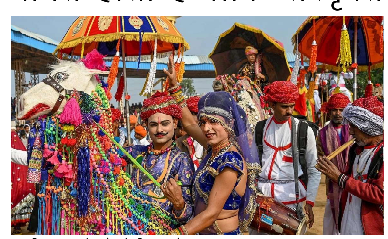

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वो एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने–चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी–विदेशी पर्यटक आते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग–बिरंगे परिधानों में सज–धजकर जगह–जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं। पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं।

पुष्कर मेले का एक रोचक अंग ऊंटों का क्रय–विक्रय है। निस्संदेह अन्य पशुओं का भी व्यापार किया जाता है। परन्तु ऊंटों का व्यापार ही यहां का मुख्य आकर्षण होता है। मीलों दूर से ऊंट व्यापारी अपने पशुओं के साथ में पुष्कर आते हैं। सम्भवतः यह ऊंटों का संसार भर में सबसे बड़ा मेला होता है। कार्तिक के महीने में यहां लगने वाला ऊंट मेला दुनिया में अपनी तरह का अनूठा तो है ही साथ ही यह भारत के सबसे बड़े पशु मेलों में से भी एक है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन सा देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने–अपने पशुओं के साथ मेले में शरीक होने आते हैं।

मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ऊंट मेला और रेगिस्तान का नजदीकी रिश्ता है। इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। लेकिन कालांतर में इसका स्वरूप एक विशाल पशु मेले का हो गया है। इसलिए लोग ऊंट के अलावा घोडे, हाथी, और बाकी मवेशी भी बेचने के लिए आते हैं। सैलानियों को इन पर सवारी का लुत्फ मिलता है। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद–फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते–आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है।

कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी–देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है।

महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं।

स्कूल बस की ठोकर से बाइक सवार जीजा-साले की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। स्कूल बस की ठोकर से दवा लाने जा रहे बाइक सवार जीजा व साले की मौत हो गई। सिर फटने से दोनों की मौके पर मौत हुई है। जीजा साले ने हेलमेट नहीं लगा रखा था। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत ऐलरा धुसवा मार्ग स्थित भरतपुर ग्रंट गांव निकट मंगलवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे हुई है। चालक दुर्घटना के बाद बच्चों से भरी बस को छोड़कर भाग निकला। दुर्घटना स्थल पर जायजा लेने गए स्कूल प्रबंधक के नाबालिग पुत्र को लोगों ने पीट दिया। उसे बचाने के लिए पुलिस को हवा में लाठियां चलानी पड़ीं। शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। ऐलरा परतिया ग्रंट निवासी 35 वर्षीय नरदाहे पुत्र वासुदेव के घर सोमवार को भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमें शामिल होने सादुल्लाह नगर थाना क्षेत्र के गयघटा निवासी 40 वर्षीय शिवधर आए थे। शिवधर रात में ससुराल में ही रुक गए। घर में किसी महिला की तबियत खराब थी। नरदाहे व शिवधर मंगलवार सुबह सवा सात बजे दवा लाने धुसवा बाजार जा रहे थे। ऐलरा के मजरे धर्मपार में अब्दुल सत्तार खां मेमोरियल पब्लिक स्कूल का संचालन होता है। बच्चों से भरी बस स्कूल की ओर आ रही थी। भरतपुर ग्रंट के निकट बस ने बाइक को सामने से ठोकर मार दी। बाइक नरदाहे चला रहा था, जबकि शिवधर के बाइक के पीछे बैठे होने की बात कही जा रही है। दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। पक्की सड़क पर गिरने के कारण नरदाहे व शिवधर का सिर फट गया। चालक ने इतना तेज ब्रेक मारा था कि बस के आगे का शीशा टूट गया। दुर्घटना देख आस पास के लोग बचाव में दौड़ पड़े। चालक बच्चों से भरी बस छोड़कर भाग निकला। बस में लगभग 40 बच्चे सवार थे। थोड़ी ही देर में जीजा साले का शरीर शांत पड़ गया। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। नरदाहे व शिवधर का शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सड़क हादसे में महिला की मौत, कई लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

महेश तिवारी पुत्र भक्कू उर्फ दफेदार तिवारी निवासी मनिकौरा था गिलौला मंगलवार को अपनी मां मनीषा पत्नी दफेदार तिवारी को लेकर गिलौला जा रहा था। उनके साथ मामा केसरी कुमार निवासी मिर्चिया दाखिला रायडीह थाना पयागपुर भी थे। बहराइच बलरामपुर बौद्ध परिपथ पर एकघरवा के पास पीछे से आ रही बस से बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी गिलौला पहुंचाया। लेकिन जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि दो लोगों का इलाज किया जा रहा है।

थाना हरदत्त नगर गिरंट के गिरंट बाजार में मंगलवार सुबह एक मोटरसाइकिल सवार चार लोग खड़ी बस में पीछे से टकरा गये। जिसके चलते चारो लोग घायल हो गए। हरदत्त नगर गिरंट ने सभी घायलों को ई–रिक्शा से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदत्त नगर गिरंट लाया गया। जिसमें तीन लोगों का इलाज किया जा रहा है। जबकि घायल महिला को रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान बहराइच जनपद के थाना मटेरा के मदारा निवासी 60वर्षीय नगीना पत्नी अकरम अली, 25वर्षीय अली अहमद पुत्र सिक्रेटरी और 30वर्षीय सुभान पुत्र असलम के रूप में हुई। चारो लोग मोटरसाइकिल से मिर्जापुर चौराहे से गिरंट की तरफ आ रहे थे।

दुकान में फंदे से लटका मिला दुकानदार का शव, पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार की सुबह खैरी मोड़ स्थित दुकान में दुकानदार का शव फंदे पर लटका मिला। खबर पाकर परिजन रोते बिलखते पहुंचे। लोगों ने जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

भिनगा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नगर के ही सोहेल दत्त नगर वार्ड के रमना निवासी सत्य प्रकाश यादव उर्फ अलगू (40) नगर के ही खैरी मोड़ पर अंजली ट्रेडर्स के नाम से हार्डवेयर की दुकान करता है। प्रतिदिन की भांति सोमवार को भी वह दुकान पर आया था। जहां से रात में वापस घर नहीं लौटा। इस पर परिजनों ने यह सोच कर कि कहीं गए होंगे। उसकी तलाश भी नहीं किया।

सुबह आसपास के लोगों ने देखा कि दुकान खुली हुई है। जबकि, अंदर सत्य प्रकाश का शव फंदे से

लटक रहा है।

इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस सहित मृतक के परिजनों को दिया। मौके पर पहुंचे परिजनों की उपस्थिति में पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया। मामले में मृतक के पिता सोहन लाल यादव ने अपने पुत्र की हत्या की आशंका जताया है। फिलहाल अभी मामले में तहरीर नहीं दी गई है। मृतक सत्य प्रकाश अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। जिसका विवाह रेनू यादव से हुआ था। जिसके एक पुत्र विवेक यादव (12), पुत्री दीपिका (15), अंजली (9) व पल्लवी (5) थी। रेनू का हंसता खेलता परिवार था। मंगलवार की घटना ने जहां रेनू की मांग का सिंदूर छीन लिया। वहीं उसका हंसता खेलता घर परिवार उजड़ गया। दुकानदार की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

तालाब से बरामद हुआ अधेड़ व्यक्ति का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। एक अधेड़ व्यक्ति का शव तालाब से बरामद किया गया। शव देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम खांवा पोखर निवासी अनीस (40) पुत्र जिकरी खान का शव मंगलवार सुबह इकौना नगर स्थित साहू तालाब में उतराता देखा गया। शव देख मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों की ओर से घटना की जानकारी इकौना पुलिस को दी गई। सूचना पर इकौना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दूबे दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को तालाब से निकलवा कर कब्जे में ले लिया और पहचान कराने के बाद पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि अनीस नशेड़ी था। कुछ दिन पहले ही वह अहमदाबाद से कमाकर लौटा था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह नशे की हालत में तालाब में गिर गया होगा और मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी डीलर से जमीन के नाम पर 95 लाख की ठगी, छह के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता–बहराइच। मुड़की कुंडासपारा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर से ठगों ने मुजफ्फरनगर में 52 बीघा जमीन का सौदा कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते हुए स्टांप पेपर पर लिखा–पढ़ी कर 95 लाख रुपये हड़प लिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब पैसा लौटाने में आनाकानी की तब जाकर उन्हें अपने ठगे जाने का अहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने छह आरोपियों पर धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज की। कुंडासपारा निवासी एजाज अहमद की फखरपुर थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार वे प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं और उनकी पारले चीनी मिल पर एक प्लॉटिंग की साइट है। कुछ माह पहले सादिक आया और मुजफ्फरनगर जनपद में एक प्लॉटिंग की साइट होने की जानकारी देते हुए एक करोड़ रुपये में एग्रीमेंट कर काम शुरू कराने की बात बोली। इसके बाद स्टांप पर कुल 52 बीघा जमीन का सौदा कुल पांच करोड़ 46 लाख में तय हुआ। एग्रीमेंट बनाकर दोबारा से वापस आने की बात कही। बीते दो जुलाई को मुजफ्फरनगर के हसील बुढ़ाना निवासी सादिक, बल्ली, आमिर, हुसैना, एसएच जैदी, मंसूर उक्त लोग प्लॉट पर आए। इस पर उन्होंने उक्त लोगों को 60 लाख नकद व 35 लाख के चेक समेत 95 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। कुछ दिनों बाद बैनामा की बोलने पर आठ जुलाई को दोबारा प्लॉट पर आकर रुपयों की मांग की। इस पर रजिस्ट्री के बाद ही बकाया पैसा देने की बात बोली। 11 अगस्त को मुजफ्फरनगर जाने पर एक भी व्यक्ति नहीं मिला। जानकारी करने पर ठगी का पता चला। उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद अब इन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसओ राजेश शुक्ला का कहना है कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करेगी।

बेटी की ससुराल आए बुजुर्ग की डूबकर मौत

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज थाने के प्यारेपुर के मजरे हाजीपुर निवासी 60 वर्षीय बुद्धराम पुत्र पंगुल नौ नवम्बर को अपनी बेटी संजीता पत्नी गंगाराम के गांव इसी थाने के चंदन कौड़री गांव आए थे। अगले दिन वह शौच के लिए तालाब किनारे गए थे। पैर फिसलने से तालाब में डूब गए। काफी देर बाद तैराकों ने कड़ी मशक्कत से शव बरामद किया। इसकी सूचना मृतक के बेटे सूरज ने थाने में दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया है।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भगवान प्राप्ति का सरल साधन –महंत डॉ.ममता शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। स्वामी रामानंद सेवा संस्थान द्वारा 14 कोसी और पंच कोसी परिक्रमा में पधारे हुए सभी भक्तों की सेवा लगातार 10 वर्षों से निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर की जा रही है। इस वर्ष भी मेला में आए श्रद्धालुओं को निशुल्क चिकित्सा शिविर द्वारा सेवाएं प्रदान हुई। संरक्षक व दर्शन भवन जानकी घाट मंदिर की पीठाधीपति महंत डॉ ममता शास्त्री ने श्रद्धालुओं की सेवा की और कहा कि सेवा ही ईश्वर की प्राप्ति का सरल साधन है और प्रभु श्री राम की भक्ति के लिए जो भी लोग अयोध्या आते हैं परिक्रमा के साथ दर्शन पूजन करते हैं उनकी सेवा करने से फल कई गुना हो जाता है। ऐसे में प्रत्येक मनुष्य को दूसरे के लिए सेवा भव रखनी चाहिए और निरंतर सेवा करते रहना चाहिए । उन्होंने बताया कि हमारा सनातन धर्म हमेशा मानवता और सेवा का ही उपदेश देता है और सर्वे भवन्तु सुखिनरू सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत् का पालन करने को कहता है इसका अर्थ है कि सभी लोग सुखी रहें और एक दूसरे की निरंतर सेवा करते रहे इसी उद्देश्य से निरंतर 10 वर्षों से स्वामी रामानंद सेवा संस्थान द्वारा परिक्रमा में सेवा की जा रही है और आगे भी चलती रहेगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मिश्र, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री दीनानाथ पांडेय , उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नर्वदेश्वर शुक्ला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विजय राज अनन्या बाबू , वैदेही बाबू एवं सभी रामानंद सेवा संस्थान के सदस्य व मन्दिर के भक्तगण तथा शिष्य गणों ने सेवा प्रदान किया।

छठ से लौट रहे लोग, ट्रेनों में तिल रखने की जगह नहीं

संवाददाता–महराजगंज। बिहार सहित देश के प्रमुख पर्व छठ की समाप्ति के बाद गोरखपुर–नरकटियागंज रेल प्रखंड पर बिहार से काम को लौट रहे यात्रियों की दुश्वारी बढ़ गई है। अनारक्षित बोगियों में तिल रखने भर की जगह नहीं होने के बावजूद भी बोगियां यात्रियों से ठूंस–ठूंसकर भरी हुई जा रही हैं। पड़ोसी प्रांत बिहार व झारखंड के लाखों लोग दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब सहित विभिन्न प्रांतों में नौकरी/मजदूरी करते हैं। इन स्थानों के लिए इस रूट पर सत्याग्रह एक्सप्रेस, सप्तक्रांति सुपर फास्ट, बापूधाम सुपरफास्ट, अवध एक्सप्रेस, जननायक एक्सप्रेस, पोरबंदर सुपरफास्ट, राप्ती गंगा एक्सप्रेस सहित कई दैनिक व साप्ताहिक ट्रेनें संचालित होती हैं। छठ पर्व पर अपने घरों को लौटे इन यात्रियों के लिए रेल प्रशासन द्वारा कई स्पेशल ट्रेनें भी चलाई गईं। किंतु बावजूद इसके छठ के बाद घरों से अपने गंतव्य को लौट रहे यात्रियों के लिए सफर करना सर दर्द बन गया है। आलम यह है कि वेटिंग टिकट वाले यात्री जिन अनारक्षित बागियों में तिल रखने की जगह नहीं है, उन बोगियों में यात्री ठूंसकर जाते हुए देखे जा रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि वेटिंग टिकट वाले यात्रियों की वजह से जिन यात्रियों का टिकट कंफर्म है, वे भी दिक्कतों के बीच सफर करने को मजबूर हैं। यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों में जनरल व स्लीपर बोगियों की अपेक्षा एसी बोगियों को बढ़ाए जाने की वजह से दैनिक मजदूरी करने वाले यात्रियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा यात्री रेल प्रशासन को कोसते हुए सफर करते देखे जा रहे हैं। जिले के सिसवा, घुघली व कुशीनगर जनपद के खड्डा व छितौनी सहित तमाम गांवों के पंजाब के विभिन्न शहरों में मजदूरी करने वाले कामगार यात्रियों के लिए 15211 जननायक अप एक्सप्रेस का सिसवा में ठहराव न होना साल रहा है। कोरोना काल में रेल प्रशासन द्वारा इस ट्रेन का सिसवा व खड्डा में ठहराव बंद कर दिया गया था। जिसके चलते पंजाब जाने वाले यात्री इन दिनों 05095 अप सवारी गाड़ी का सहारा लेकर कप्तानगंज व गोरखपुर जाकर जननायक एक्सप्रेस पकड़ने पर मजबूर हैं। संतोष सिंह, सहायक स्टेशन मास्टर, सिसवा बाजार ने कहा कि यात्रियों की असुविधा को लेकर विभाग को अवगत कराया जाता है। दैनिक व साप्ताहिक ट्रेनों की अपेक्षा मेला स्पेशल ट्रेनों में भीड़ नहीं चल रही है। यात्रियों को चाहिए कि इन ट्रेनों की जानकारी लेकर इनमें सफर करें।

प्रधानमंत्री से अपील गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। गोपाष्टमी के अवसर पर कन्हा उपवन गौशाला में भाजपा नेत्री स्वाति सिंह ने गौ माता की सेवा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा करने से 33 करोड़ देवी–देवताओं के पूजन का पुण्य प्राप्त होता है। स्वाति सिंह ने सभी सनातन प्रेमियों से अपील की कि वे गौ माता की सेवा में भाग लें और इस पुण्य का लाभ प्राप्त करें।स्वाति सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिया जाए। उनका मानना है कि इस सम्मान से देशभर में गौ माता के प्रति जागरूकता और श्रद्धा का भाव बढ़ेगा, साथ ही सनातन संस्कृति का सम्मान भी होगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संस्कृति और सनातन की रक्षा करने के लिए हमें गौ माता की सेवा करनी होगी और आने वाली पीढ़ी को भी गौ सेवा के लिए प्रेरित करना होगा तभी सनातन धर्म आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा देश सेवा के लिए कभी–कभी कड़े निर्णय लेने पड़ते हैं मैं प्रधानमंत्री जी से अपील करती हूं कि देश हित में सनातन हित में एक बार कड़े फैसले लेकर के गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दे दिया जाए इससे देश का कल्याण होगा और यह फैसला देश हित में बड़ा फैसला माना जाएगा।

मानसिक रूप से विक्षिप्त की मौत

संवाददाता–बहराइच। रामगांव थाने के मिर्जापुर गांव में पांच छह वर्षो से इधर– उधर एक 25 वर्षीय मानसिक विक्षिप्त युवक घूमता रहता था। उसकी रात में मौत हो गई। प्रधान प्रतिनिधि पवन कुमार ने थाने में सूचना दी। पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की। युवक की पहचान हरदी थाने के टेपरहा डीह निवासी सीताराम पुत्र ओरी लाल के रूप में हुई। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया है।

गोंडा में खुलेगा प्रदेश का पहला रेशम रिसर्च सेंटर

संवाददाता–गोण्डा। जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला रेशम रिसर्च सेंटर खुलेगा। इसके खुलने यहां के रेशमी धागों की पहचान देश के सभी शहरों में बढ़ जाएगी। धागों का स्तर बेहतर होने से डिमांड भी बढ़ेगी। साथ ही युवाओं और महिलाओं को काफी संख्या में रोजगार मिलेगा। जिससे कमाई बढ़ने से उनके घरों में खुशहाली भी आएगी। जिले के करनपुर स्थित रेशम फार्म में रिसर्च सेंटर खोलने के लिए अफसरों की टीम ने जायजा भी लिया है। बताया जा रहा है कि फार्म की एक हेक्टेयर भूमि इसके लिए चयनित की गई है। गोंडा में यूपी का पहला रेशम रिसर्च सेंटर खोलने की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है। अभी तक दो क्षेत्रीय रेशम रिसर्च सेंटर जम्मू–कश्मीर और देहरादून में संचालित है। जिले में रिसर्ज सेंटर स्थापित हो जाने से जलवायु आधारित रेशमी धागे तैयार करने पर काम शुरू होगा। इसके अलावा शहतूत की वैरायटी, रेशम मीट, ऊसर सुधार और मिट्टी की उपयोगिता पर विशेष रूप केंद्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिक रिसर्च करेंगे। इसके लिए यह व्यवस्था बनाई गई है। अभी तक रेशम कीट मैसूर, बेंगलुरु, जम्मू–कश्मीर और देहरादून के अलावा आंध्र प्रदेश से आने की बात अधिकारी बता रहे हैं। रेशम रिसर्च सेंटर खोलने के लिए कश्मीर, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के डायरेक्टरों की टीम दो बार जिले में आ चुकी है। इनके दौरे से उसी समय स्पष्ट हो गया था कि यहां पर रेशम रिसर्च सेंटर की स्थापनाजल्द कर दी जाएगी। इसके बाद में जब विभाग को जमीन तलाशने के लिए पत्र जारी हुआ तब स्पष्ट हो गया कि रेशम रिसर्च सेंटर की स्थापना यहां पर कर दी जाएगी।

केंद्रीय रेशम रिसर्च सेंटर के लिए जिले के परसपुर में करनपुर फार्म पर जमीन चिन्हित कर दी गई है। अधिकारियों की माने तो रेशम रिसर्च सेंटर वहीं पर बनाया जाएगा। जिससे जगह–जगह मिट्टी के नमूने भी लिए जाएंगे । इसके बाद स्थानीय जलवायु पर रिसर्च करके रेशम के धागे तैयार किए जा सकेंगे। इससे जिले में बने रेशमी धागों की देश–विदेश में पहचान स्थान को विश्व स्तरीय पहचान दिलाने का काम आसान हो जाएगा। इससे गोंडा की पहचान देश स्तर पर उभर कर सामने आएगी।

उपनिदेशक रेशम रामानंद मल्ल ने बताया कि रेशम रिसर्च सेंटर परसपुर के करनपुर में स्थित रेशम फार्म में खोलने की तैयारी चल रही है। फार्म की करीब साढ़े पांच हेक्टेयर भूमि में एक हेक्टयर भूमि रिसर्च सेंटर के लिए आवंटित की जाएगी। इसका प्रस्ताव तैयार करके उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। इसके बन जाने से जलवायु के हिसाब से रेशमी धागे तैयार किए जाएंगे।

एलबीएस में छात्राओं को लगा एचपीवी का टीका

संवाददाता–गोण्डा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज के ललिता सभागार में मंगलवार को मिशन शक्ति एवं रोटरी क्लब की ओर से निशुल्क टीकाकरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार पांडे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अपने आप को स्वस्थ रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। मिशन शक्ति की संयोजक डॉ. चमन कौर ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए कहा स्वस्थ बालिकाएं ही सशक्त राष्ट्र का आधार है। स्वास्थ के प्रति सबको सचेत रहना चाहिए। कार्यक्रम की आयोजक रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ. रेनू अग्रवाल ने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि एचपीवी वायरस जो बच्चों और बड़ों में संक्रमण फैलता है। यह वाइरस आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर, गले का कैंसर, जननांगों से जुड़ी अन्य बीमारियों का कारण बन सकता है। सचिव डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन पूर्णतया सुरक्षित है। इसे दुनिया भर में लाखों बालिकाओं को दिया जा चुका है। डॉ. ऊषा अग्रवाल ने कहा यह वैक्सीन 9 से 18 वर्ष तक की बालिकाओं के लिए उपयुक्त है। कार्यक्रम में प्रो. शशि बाला, डॉ. ममता शुक्ला, डॉ. स्मृति, डॉ. शैलजा, डॉ. स्मिता, डॉ. नीतू, डॉ. वंदना सहित अन्य शिक्षक और छात्राएं शामिल रहीं।

नई रेल लाइन के लिए 111 करोड़ से अधिग्रहित हो चुकी जमीन

संवाददाता–महराजगंज। घुघली–आनंदनगर वाया महराजगंज नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। अभी तक 37.65 हेक्टेयर भूमि एवार्डेड हो चुकी है। इसके बदले 1344 किसानों को 1 अरब 15 करोड़ 46 लाख मुआवजा देना है। इसमें से 1 अरब 11 करोड़ 67 लाख रूपया का मुआवजा वितरित कर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है।

जिले में घुघली रेलवे स्टेशन से महराजगंज होते हुए आनंदनगर तक 53 किमी लंबी नई रेल लाइन बननी है। यह रेल लाइन 53 गांव से गुजरेगी। 194 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित होनी है। इस नई रेल लाइन ने कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कृषि बाहुल्य जिले में उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। जिले की सीमा से दो रेल लाइन गुजरी है लेकिन जिला मुख्यालय रेल लाइन से अछूता था। लंबे समय से जिला मुख्यालय को रेल लाइन से जोड़ने की मांग चल रही थी। इस नई रेल लाइन के बन जाने से गोंडा से पनियहवा की दूरी 42 किमी कम हो जाएगी। पहले गोंडा से आनंदनगर–गोरखपुर होकर पनियहवा के रास्ते बिहार की तरफ जाने वाले रेलगाड़ियों को 307 किमी की दूरी तय करनी पड़ती थी। अब आनंदनगर से महराजगंज होते हुए ट्रेनें घुघली से होकर पनिहवा पहुंच जाएंगी। इसके लिए केवल 265 किमी दूरी ही तय करनी पड़ेगी। इससे रेलवे के साथ साथ यात्रियों को भी फायदा होगा। यात्रा में समय कम लगेगा।

नई रेल लाइन में भूमि अधिग्रहण करने के लिए रेलवे ने भूमि अध्याप्ति विभाग को 225 करोड़ रूपया का बजट आवंटित कर दिया है। इससे भूमि अधिग्रहण की रफ्तार बढ़ेगी। अभी तक 53 गांव में से 29 गांव में भूमि अधिग्रहण के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। इसमें से 12 गांव में मुआवजा लगभग वितरित हो चुका है। जिला मुख्यालय के सीमावर्ती समेत 17 गांव में भूमि अधिग्रहण के लिए प्रक्रिया चल रही है, लेकिन किसान सर्किल रेट के अनुसार जमीन रेलवे के लिए नहीं देना चाहते हैं।

शहर के गांधीनगर निवासी सोनू राय, दमयंती राय, कृष्ण मोहन शुक्ला राजीव नगर, विनय मिश्रा टीकर परसौनी आदि का कहना है कि नगरीय क्षेत्र में आवास बनाने के लिए जमीन का टुकड़ा खरीदा। शहरी क्षेत्र होने की वजह से भूमि की कीमतें सर्किल रेट से कई गुना अधिक है। सामान्य कृषि भूमि सर्किल रेट से दोगुना देने के बाद भी 1.44 लाख रुपया प्रति डिस्मिल पड़ रहा है। आपत्ति भी दर्ज कराया जा रहा है लेकिन जिले स्तर से कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। भूस्वामियों का कहना है कि घर बनाने के लिए गहना व खेत बंधक रख 5 से 7 लाख रूपया डिस्मिल की दर से प्लाट खरीदा है। स्टाम्प पेपर भी गवाह है। उसी भूमि को डेढ़ लाख रूपये से भी कम भाव पर कैसे दे दिया जाए। जिले स्तर से राहत नहीं मिलने पर भूस्वामी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी शुरू कर दिए हैं। मदन मोहन वर्मा–उप भूमि अध्याप्ति अधिकारी/एसडीएम ने कहा कि घुघली–आनंद वाया महराजगंज नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। अभी तक 111 करोड़ से अधिक मुआवजा वितरित किया जा चुका है। अधिग्रहण के लिए 225 करोड़ की धनराशि मिल गई है। इससे भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ेगी।

खेल मैदान के पास से अतिक्रमण हटवाने की उठाई आवाज

संवाददाता–गोण्डा। नगर स्वतंत्र भारत इंटर कालेज खेल मैदान को संरक्षित किए जाने को लेकर खेल मैदान बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बाउंड्रीवाल बनाने को लेकर आवाज उठाई है। इसको लेकर समाजसेवी आनंद कुमार सिंह अन्नू की अगुवाई में जिला पंचायत अध्यक्ष को संबोधित चार सूत्री ज्ञापन शक्तिपीठ देवीपाटन महंत मिथलेश नाथ योगी को सौंपा है। मांग पत्र में नगर के एक मात्र खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए इसके चारों ओर बाउंड्रीवाल बनाए जाने की मांग की गई है। साथ ही मैदान के एक किनारे पर मांस बिक्रेताओं के कब्जे हटाने, खेल मैदान को शादी विवाह के आयोजनों पर अविलम्ब रोक लगाने एवं मैदान के देखरेख की जिम्मेदारी स्थानीय नगर पंचायत को दिए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में केसरी प्रसाद शुक्ल, रूप चन्द्र गुप्ता, एसडी चौरसिया, राजा फहीम खान व राजेश पाल आदि मौजूद रहे।

पूर्व बीडीसी की हत्या कर नाले के किनारे फेंकी लाश

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर में तुर्रा नाले के किनारे एक युवक की हत्या कर लाश फेंकी गई है। युवक की पहचान पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। एम्स थाना क्षेत्र के जगदीशपुर चनकापुर निवासी विपिन पासवान (26) पुत्र दीनानाथ अपने पिता के साथ गांव के बाहर देवाचावर माता मंदिर पर सोमवार शाम की सात बजे बाइक से आया था । पिता से कहा कि आप घर जाइये हम कुछ देर बाद आयेंगे पिता उसे छोड़कर घर चले आए। देर रात तक उसके घर आने का इन्तजार करते रहे लेकिन जब रात में वह वापस नहीं आया तो परिवार के लोग सो गये सुबह बहरामपुर के कुछ युवक टहलने निकले और तुर्रा नाले के किनारे शव को पड़ा देख कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विपिन अक्सर माता के मंदिर पर आया करता था वह पूर्व में बीडीसी भी था पुलिस के मुताबिक उसके सर पर आगे और पीछे दोनों तरफ गहरा चोट का निशान है। आशंका है कि उसके सिर पर प्रहार कर हत्या की गई है। वह दो भाइयों में बड़ा था, अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। शव से थोड़ी दूर पर पुल के पास खून गिरा मिला, पास में एक छिनी भी मिली है। आशंका है कि इसी से हत्या की गई है।

डा. हंसराज को मिला अंतरराष्ट्रीय तथागत विशिष्ट सृजन सम्मान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ तथागत कला साहित्य संस्थान सिद्धार्थनगर की ओर से नौवें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय तथागत सृजन सम्मान समारोह एवं वर्तमान हिन्दी लेखन की दिशा एवं दशा विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न साहित्यकारों की ओर से लिखित पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसमें डॉ.राजेंद्र परदेसी की पुस्तक चयनित कथाहरू व डॉ.रेखा यादव की पुस्तक धीरे से प्रमुख रहीं। वहीं रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हंसराज कुशवाहा को कला, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय तथागत विशिष्ट सृजन सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. कुशवाहा को यह सम्मान मिलने पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.राजेंद्र परदेसी, डॉ. भास्कर शर्मा, डॉ. रघुवीर शर्मा, अमृता राणा आदि ने बधाई दी है। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार व आयकर आयुक्त गोरखपुर अमलेन्दु नाथ मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार व जिला न्यायाधीश सिवान बिहार प्रतिभा चौहान, वरिष्ठ साहित्यकार एवं सांसद काठमांडू नेपाल डॉ. रेखा यादव, पूर्व चौयरमैन मिरिक दार्जिलिंग डॉ. कमला तमांङ व रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी के सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हंसराज कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

हाईस्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा के लिए 92 केंद्र प्रस्तावित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट और हाईस्कूल की परीक्षा के लिए केंद्रों की अनंतिम सूची जारी कर दी गई। यदि अनंतिम सूची पर फाइनल मुहर लगती है तो इस बार 92 केंद्रों पर 64910 छात्र–छात्राएं परीक्षा देंगे। जिले में माध्यमिक शिक्षा परिषद के अधीन 221 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इसमें 28 राजकीय, 48 अशासकीय व 155 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने बताया कि बोर्ड से 92 केंद्रों की अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। इस पर 14 नवंबर तक आपत्ति मांगी गई है। आपत्ति आने के बाद उसका निस्तारण डीएम की अध्यक्षता में गठित जनपदीय कमेटी करेगी। इसके बाद सूचनाएं बोर्ड को भेज दी जाएगी। फिर से वहां से अंतिम सूची जारी की जाएगी। बोर्ड की परीक्षा में इंटर व हाईस्कूल के कुल 64910 छात्र–छात्राओं का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इसमें हाईस्कूल में 35 951 और इंटर में 28959 छात्र–छात्राएं शामिल हैं।

बोर्ड परीक्षा 2024 में 114 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर 60350 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी थी। इस बार 4560 छात्र–छात्रा अधिक हैं, ऊपर से बोर्ड की ओर से जारी प्रस्तावित सूची में 22 केंद्र कम कर दिया गया है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा 2025 के लिए जारी प्रस्तावित केंद्रों की सूची में उन विद्यालयों के भी नाम गायब हैं, जिन पर परीक्षा संपन्न हुई थी। इससे साफ है कि पिछले वर्ष परीक्षा केंद्र बने कॉलेज इस बार भी मानक पर खरा ही उतरे होंगे पर वंचित कर दिया गया है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ऑनलाइन 92 परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी कर दी गई है। इस बार प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों में 22 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र के रूप में शामिल नहीं किया गया है। परीक्षा केंद्रों एवं छात्र आवंटन में किसी भी प्रकार की आपत्ति या शिकायत हो तो निर्धारित प्रारूप पर अपना प्रत्यावेदन 14 नवंबर तक परिषद की वेबसाइट एवं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रस्तुत कर दें।

रेडिएंट रिजॉर्ट के कैश काउंटर से 2.6 लाख चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के कंचनपुर स्थित रेडिएंट रिजॉर्ट के कैश काउंटर से सोमवार की रात 2.6 लाख रुपये चोरी हो गए। रिजार्ट की तरफ से ऑफिस मैनेजर के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कराया गया है। द रेडिएंट रिजॉर्ट की तरफ से अशोक कुमार ने गुलरिहा पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने तहरीर में बताया कि विक्रांत सिंह निवासी सेक्टर बी आदर्श नगर नीलमथा लखनऊ, होटल के ऑफिस मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। सोमवार की रात 9रू30 बजे होटल के कैश काउंटर में रखा 2 लाख 65 हजार 544 रुपये चोरी करके बिना किसी को बताएं फरार हैं। उनका मोबाइल नंबर भी बंद है। गुलरिहा पुलिस लिखित तहरीर पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नाला निर्माण और पार्क को लेकर जीडीए वीसी से मिले नागरिक

संवाददाता–गोरखपुर। तारामंडल क्षेत्र में जीडीए की ओर से विकसित बुद्ध विहार पार्ट बी और सी के नागरिकों ने जीडीए सचिव और उपाध्यक्ष से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को रखा। नागरिकों ने खस्ताहाल पार्क को ठीक कराने के साथ ही मानक के विपरीत हो रहे नाला निर्माण को लेकर मांग पत्र सौंपा है। उपाध्यक्ष से मिलकर नागरिकों ने बताया कि बुद्ध विहार में पार्ट सी में पीडब्ल्यूडी की ओर से केबिल तार के लिए डक्ट एवं ड्रेनेज के लिए नाला का निर्माण हो रहा है। दोनों के बीच में लगभग चार फीट का गैप आ रहा है। चार फीट का अंतर होने से सर्विस रोड की चौड़ाई कम हो गई है। नागरिकों ने उपाध्यक्ष से निरीक्षण कर समस्या के समाधान की मांग की है। इसी क्रम में नागरिकों ने कहा कि देवरिया बाईपास पर बुद्ध बिहार पार्ट बी में प्राधिकरण का पार्क जीर्ण–शीर्ण स्थिति में है। पार्क की बाउंड्री टूटने से यह पशुओं के लिए चारागाह बना हुआ है। पार्क में लाइट की व्यवस्था नहीं होने से रात में अराजक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। नागरिकों ने पार्क का जीर्णोद्धार कराने की मांग की है। इस दौरान रोहित सिंह, आनंद कुमार पांडेय, अनीता सिंह, विनोद कुमार, आशुतोष आदि उपस्थित रहे।

कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में कृष्ण कुमार, श्रुति त्रिपाठी अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक स्तर पर कृष्ण कुमार तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर श्रुति त्रिपाठी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र तथा विजेता शिक्षकों को प्रमाण पत्र के साथ ही पुरस्कार भी दिया। डायट प्राचार्य ने कहा कि कहानियां मनोरंजन ही नहीं अपित ज्ञानवर्धक एवं आदर्श मूल्यों को छात्रों के मन मस्तिष्क में स्थापित करने का एक सरल एवं सहज माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि जो शिक्षक जनपद स्तर पर अव्वल रहे हैं इनको राज्य स्तर पर होने वाली कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता की नोडल प्रवक्ता वंदना चौधरी ने बताया कि कहानी का विषय महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत देश की महिला खिलाड़ियों के संघर्ष और साहस पर आधारित थी। जिसमें जिले से बड़ी संख्या में शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रवक्ता डॉ गोविन्द 'अलीग', डॉ रविनाथ त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अलीउद्दीन, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, इमरान खान, अमन सेन आदि उपस्थित रहे।

फंदे से झूलता मिला युवक का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के स्थानीय कस्बा में मंगलवार सुबह कमरे में फंदे से झूलता एक युवक का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। महुली कस्बा निवासी गोविन्द कुमार का लगभग 21 वर्षीय बेटा दीपक कुमार सोमवार शाम भोजन करने के बाद कमरे में सोने चला गया। मंगलवार सुबह काफी देर तक जब वह बाहर नही निकला तो परिजन कमरे में दाखिल हुए। फंदे से लटकता दीपक का शव देख सत्र रह गए।

आगापुर गांव की खतौनी खुली, शुरू हो गया है उपयोग

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में आगापुर उर्फ गुलरिहा गांव की खतौनी ग्रामीणों के उपयोग के लिए खुल गई है। चपरा पूर्वी व छपरा मगर्वी की खतौनी अद्यतन करने की कार्यवाही अंतिम चरण में है। इन तीनों गांवों के राजस्व अभिलेख अभिप्रमाणित नहीं थे। इससे राजस्व कार्यों के नियमानुसार निष्पादन में समस्या आ रही थी। राजस्व परिषद के निर्देश पर ग्रामों के अभिलेखों को अद्यतन किया जा रहा है। इससे सरकारी योजनाओं से वंचित के ग्रामीणों को भी अब योजनाओं का लाभ मिलेगा। उप जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया है कि चपरा पूर्वी, छपरा मगर्वी व आगापुर उर्फ गुलरिहा के राजस्व अभिलेख अभिप्रमाणित न होने के कारण ग्रामीणों कों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा था। अभिलेख अप्रमाणित होने के कारण भूमि की पैमाइश आदि का कार्य संभव नहीं हो पा रहा था। उन्होंने बताया कि राजस्व परिषद इन गांवों के अभिलेखों को अद्यतन किये जाने की रूपरेखा तय करते हुए जिलाधिकारी को कार्यवाही करने का निर्देश दिया था। उक्त निर्देश पर इन ग्रामों में चौपाल लगा कर खतौनी की प्रविष्टियों को पढ़कर सुनाया गया। चौपाल के दौरान प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुए खतौनी को शुद्ध करने की कार्यवाही विगत कई माह से चल रही थी। ग्राम आगापुर उर्फ गुलरिहा से प्राप्त आपत्तियों की खतौनी को शुद्ध व अपडेट कर वर्तमान फसली वर्ष 1430–1435 में आमजन के उपयोग के लिए खोल दी गई है। चपरा पूर्वी व छपरा मगर्वी की खतौनी की अपडेट किए जाने की कार्यवाही अंतिम चरण में है। प्रचलित कार्यवाही शीघ्र ही पूर्ण कर इन ग्रामों की खतौनी भी सामान्य जन के उपयोगार्थ खोल दी जाएगी।

चोरी के ई–रिक्सा के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ पुलिस ने चोरी के ई–रिक्शा के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान रसूलपुर कामरेड नगर निवासी शाह मोहम्मद के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, 11 नवंबर को जेपी अस्पताल के पास से एक ई–रिक्शा चोरी हो गई थी। केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। मंगलवार को पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकीः ट्रस्ट के सीए ने दर्ज कराया मुकदमा, विवेचक दरोगा कोर्ट में तलब

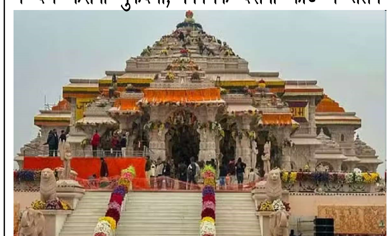

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने व बाबरी मस्जिद को तामीर करने की धमकी मिली है। मामले में विवेचना कर रहे दरोगा रजनीश कुमार पांडेय को कोर्ट ने तलब किया है। अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय अशोक कुमार दुबे ने जेल में निरुद्ध अभियुक्त मोहम्मद अमन की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान सोमवार को यह आदेश दिया है। न्यायालय ने घटना की विवेचना कर रहे उपनिरीक्षक रजनीश कुमार पांडेय को मूल केस डायरी व उसके सभी प्रपत्रों के साथ कोर्ट में 11 नवंबर को उपस्थित होने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के हेल्प डेस्क नंबर के व्हाट्सएप पर 22 अगस्त, 2024 को छह बजे संदेश आया। उर्दू भाषा में लिखे संदेश में राम जन्मभूमि मंदिर को चार हजार किलो आरडीएक्स से नष्ट करने की धमकी दी गई। ट्रस्ट के सीए चंदन कुमार राय के प्रार्थना पत्र पर थाना राम जन्मभूमि में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। मुकदमा की विवेचना के दौरान बिहार प्रांत के भागलपुर जिले के बबरगंज निवासी मोहम्मद अमन का नाम प्रकाश में आया।

स्टाक से 22 बोरी यूरिया गायब, लगाई फटकार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने मंगलवार को साधन सहकारी समिति पथरा बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रजिस्टर कंप्लीट न होने व स्टॉक में यूरिया खाद की 22 बोरी न मिलने पर फटकार लगाई। वहीं खामियां मिलने पर सचिव रामफेर, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता रामजी गौतम व एडीसीओ बाबूराम प्रसाद पर अनुशासनिक कार्रवाई करने व इनके विरुद्ध शासन को लिखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सचिव से पूछा डीएपी खाद कब से नहीं है। सचिव ने बताया कि एक सप्ताह से नहीं है। डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा कि खाद की मांग कब की गई है, सचिव ने बताया कि कल आरटीजीएस द्वारा पैसा भेजकर खाद की मांग की गई है। इस पर डीएम की त्योरी चढ़ गई। उन्होंने नाराजगी जताते हुए जिला कृषि अधिकारी व एआर कोआपरेटिव को निर्देश दिया कि सचिव रामफेर, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता रामजी गौतम व एडीसीओ बाबूराम प्रसाद पर अनुशासनिक कार्रवाई कर इनके विरुद्ध शासन को लिखें। डीएम ने साफ तौर पर कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। शिकायत मिलने पर कार्रवाई तय है। निरीक्षण के समय उपकृषि निदेशक अरविंद कुमार विश्वकर्मा, जिला कृषि अधिकारी मो. मुजम्मिल आदि मौजूद रहे।

शादी से पहले युवक प्रेमिका संग फरार

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार क्षेत्र के एक गांव का रेलवे में कार्यरत युवक अपनी शादी के एक सप्ताह पूर्व बिहार की रहने वाली एक प्रेमिका को लेकर फरार हो गया। पुलिस प्रेमी युगल से थाने में लाकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, इलाके के रायगंज बाजार के मौर्या टोला निवासी मनीष यादव की शादी गोरखपुर के कूड़ाघाट गिरधरगंज में एक लड़की से तय थी। आगामी 16 नवंबर को शादी थी। परिवार के सभी लोग शादी की तैयारी में लगे हुए थे। लड़का रेलवे में कार्यरत हैं। इस बीच किसी ने लड़की के भाई को इसकी जानकारी दी। वह 11 नवंबर को बिहार प्रांत की अपनी प्रेमिका को लेकर फरार हो गया। इसकी जानकारी जब लड़की वालों के परिवार को हुई तो लड़की के भाई ने खोराबार थाने पर लड़के के खिलाफ तहरीर देकर बरछा में दिए गए 5 लाख रुपए वापस दिलाने की मांग की। खोराबार पुलिस प्रेमी युगल को थाने पर लाकर पूछताछ कर रही है।

गैंगस्टर एक्ट के तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर एक्ट के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनकी तलाश में लगी थी। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि हेमंत पाण्डेय पुत्र पृथ्वीनाथ पाण्डेय निवासी बड़हरकला थाना हरैया जनपद बस्ती, हरिश्चनद्र मिश्र उर्फ झिनकन पुत्र अम्बिका प्रसाद मिश्र निवासी दुहवा मिश्र थाना छावनी जनपद बस्ती व गणेश सोनी पुत्र स्व. राममणि सोनी निवासी रेड़वल थाना छावनी जनपद बस्ती गैंगस्टर के आरोपी हैं।

चार घरों का टूटा ताला, एक घर से तीन लाख की चोरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के परसिया गांव में चोरों ने सोमवार की रात एक साथ चार घरों पर धावा बोल दिया पर एक ही मकान पर सफलता हाथ लग सकी। चोर नगदी व जेवर सहित तीन लाख की चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। परसिया गांव निवासी मुक्तिनाथ पुत्र त्रिपुरारीनंद, अरविंद उपाध्याय, दुर्गेश उपाध्याय व ईनल के घर सोमवार की रात धावा बोल कर चोरों ने घर का ताला तोड़ दिया लेकिन वह चोरी करने में सिर्फ मुक्तिनाथ के घर पर ही सफल रहे। उनके दो बेटे हैं जो मुंबई व गाजियाबाद में अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर के अंदर पहुंच कर मुंबई वाले बेटे के कमरे का ताला तोड़ कर चारों ने बाक्स व आलमारी तोड़ कर उसमें रखी नगदी व बहु के जेवरात को उठा ले गए। सुबह जब चारों परिवार के लोग सोकर उठे तो उनके घरों का ताला टूटा मिला। मुक्तिनाथ ने बहु के कमरे का ताला टूटा देखा तो अंदर जाकर देखा आलमारी व बाक्स टूटे थे। सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने बताया कि नगदी व जेवर सहित तीन लाख की चोरी हुई है। वहीं बाकी तीन घरों का सिर्फ ताला टूटा मिला है। पीड़ितों ने पुलिस को सूचना दी तो चिल्हिया थाना की पुलिस के साथ फारेंसिक व एसओजी टीम मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई। चिल्हिया थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद ने बताया कि तहरीर मिली है केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा हो जाएगा।

सहालग में भी धंधेबाजों की 'दीपावली' कर रहे दोहरी कमाई, जीएसटी चोरी और खपा रहे अवैध बुलियन

संवाददाता–गोरखपुर। सोना–चांदी के धंधेबाजों ने भी बाजार से मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी कर ली है। धंधेबाजों ने शहर से लेकर आसपास के कस्बों और ग्रामीण इलाकों की कई दुकानों में बड़े पैमाने पर अवैध सोना पहुंचा दिया है। इसके अलावा जीएसटी की चोरी भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। लगन को देखते हुए धंधेबाज सस्ता सोना बताकर दोहरा मुनाफा बना रहे हैं। जबकि जीएसटी के अधिकारी सालाना 40 लाख रुपये टर्नओवर के जाल में उलझे रह जाते हैं। जीएसटी का नियम है कि सालाना 40 लाख रुपये से अधिक के टर्नओवर पर किसी भी प्रतिष्ठान पर पंजीकरण और कर की जांच की जाती है। धंधेबाज इसे अच्छे से समझते हैं। उन्होंने दोहरे लाभ का रास्ता निकाला है। वे प्रतिमाह अपनी दुकानों से तीन से साढ़े तीन लाख रुपये की बिक्री दिखा देते हैं। सराफा सूत्रों की मानें तो इस समय चांदी एक लाख रुपये प्रति किलो और सोना 86 लाख रुपये प्रति किलो है। ऐसे में अगर एक सराफा व्यापारी प्रतिदिन मात्र 20 ग्राम सोने की बिक्री करता है तो ऐसे में लगभग 1,60,000 लाख रुपये से अधिक की बिक्री कर लेगा। ऐसे ही अगर 200 ग्राम चांदी मान लें तो भी ये 20 हजार रुपये (अनुमानित गणना) की हो जाएगी। ऐसे एक दिन की बिक्री लगभग 1 लाख 80 हजार रुपये हो जाएगी।

दरअसल, पहले सोने–चांदी का कारोबार विश्वास की कसौटी पर होता था। मगर, जीएसटी बिल की अनिवार्यता अब कानूनी पचड़े से बचने के लिए जरूरी हो गया है। सस्ते में सोना–चांदी बेचने की होड़ में कई धंधेबाज जीएसटी बिल नहीं देते। ये बिना बिल की कच्ची पर्ची पर अपने दुकान से अवैध सोने से आभूषणों की बिक्री कर देते हैं। सरकार ने सोने–चांदी के ट्रैवेल (दूसरी जगह ले जाने) पर हाल में ही नया नियम भी निकाला है। इसके तहत दुकानदार प्रदेश के अंदर एक से दूसरे दुकान पर दो लाख रुपये से अधिक का सोना बिना कागज के नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए ई–वे बिल बनवाना पड़ेगा। यदि सोना ले जाते वक्त ई–वे बिल नहीं मिला तो जीएसटी विभाग इसे अवैध मानकर जब्त कर लेगा। कर अपवंचन (व्यापार के सापेक्ष टैक्स नहीं जमा) मानते हुए उसे सील कर टैक्स निर्धारित कर देगा। अभी तक जीएसटी की टीम सिर्फ पंजीकरण फर्म की लेन–देन के रिकॉर्डों की ही जांच कर सकती थी। इससे वैध और अवैध सोने को खपाने वाले व्यापारियों की चांदी थी। शहर से लेकर आस–पास तक धंधेबाजों ने अपनी काली कमाई को खपाने के लिए धंधेबाजों के साथ कड़ी बना ली है। अवैध सोने की खरीद–बिक्री का रिकॉर्ड शून्य होता है। ऐसे में काली कमाई से इनका भुगतान कर देते हैं। इसके भुगतान से मिलने वाली रकम को जमीनों या बिल्डिंग के साथ रिजॉर्ट के धंधों में खपा देते हैं।

इनकी खरीद और बिक्री में भी खाते के माध्यम से और नकद भुगतान होता है। ऐसे में नकद का भुगतान इसी काली कमाई से अर्जित धन को लगाकर अपने प्रोजेक्ट को तैयार करते हैं। इसके बाद इसका दाम लगाकर ग्राहकों से भी खाते में रकम लेकर काली कमाई को फिर से सफेद कर देते हैं। अवैध रूप से सोना–चांदी लाने ले जाने वाले कैरियर, कार में परिवार सहित यात्रा करते हैं, ताकि पुलिस को शक न हो। पुलिस या जीएसटी की मोबाइल दस्ते की टीम भी कई बार परिवार की महिलाओं और बच्चों को देखकर यह समझ जाती है कि पारिवारिक यात्रा है। ऐसे में उनकी अधिक तलाशी नहीं ली जाती। इस तरह वे चकमा देकर बच जाते हैं। अभी पिछले दिनों आगरा–मथुरा एक्सप्रेस हाईवे पर जीएसटी की टीम ने तकरीबन 11 करोड़ रुपये का अवैध सोना (बिना बिल बाउचर) पकड़ा था।

कई सराफा व्यापारी, जो कच्चे सोने का कारोबार करते हैं, वे सादे कागज पर ही बिल देते हैं। बाजार भाव से कम कीमत पर ग्राहकों में खपाते हैं। ऐसे में ग्राहकों को पक्के बिल पर ही अपने आभूषणों की खरीदारी करनी चाहिए। इससे बिल में दुकान का नाम जेवर का वजन, गुणवत्ता, बनाई घिसाई आदि का शुल्क साफ लिखा होता है। व्यवसायी का जीएसटी नंबर भी बिल में दर्ज होता है। इससे ग्राहक चाहें तो आराम से जीएसटी विभाग से व्यापारी की जांच करवा सकते हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–211/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

शमीम अहमद
बनाम
रामकिशुन आदि

1. रामकिशुन पुत्र रामअधार –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. नूरमोहम्मद पुत्र अलीहसन –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

निवासी ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपु परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के जंगल रामगढ़ उर्फ रजही चौराहे से पहले वनटांगिया के समीप सड़क के किनारे सो रहे 40 वर्षीय व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले युवक की पहचान दुर्गा गुप्ता (40) के रूप में हुई है। वह जंगल रामगढ़ उर्फ रजहीं में रहता था और मक्के का भुट्टा बेचकर जीवन यापन करता था। सोमवार की रात भुट्टा बेचकर घर आया था। वह अपनी पत्नी से अलग रहता था। रात में वनटांगिया के समीप सोया था। रात में ही किसी वाहन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। एम्स पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तमंचा के साथ एक युवक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान शाहपुर के चरगांवा निवासी मुकेश चौहान के रूप में हुई। आरोपित के पास से एक तमंचा व तीन कारतूस बरामद कर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया।

शहर में एक प्रधानाचार्य को उसकी शिक्षिका ने पीटा, केबिन में घुस हाथ मरोड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। प्रधानाचार्य नाहिद आसिम पत्नी जुल्फेकार अहमद ने कोतवाली थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को सुबह 9रू50 बजे मैं स्कूल में थी, तभी मेरे कक्ष में विद्यालय की शिक्षिका आयशा हक बाहरी महिला के साथ मेरे कक्ष में आई। मैंने उससे आने की वजह पूछी तो, वह मुझे गाली देने लगी। अभी मैं कुछ समझ पाती वो मेरे पास आकर मेरा हाथ मरोड़कर मारना शुरू कर दी। कोतवाली इलाके के इमामबाड़ा मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य नाहिद आसिम को उनके केबिन में घुसकर वहां पढ़ाने वाली शिक्षिका ने पीट दिया। प्रधानाचार्य की तहरीर पर कोतवाली थाने में शिक्षिका आयशा हक पर मारपीट करने का केस दर्ज किया गया है। प्रधानाचार्य नाहिद आसिम पत्नी जुल्फेकार अहमद ने कोतवाली थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को सुबह 9रू50 बजे मैं स्कूल में थी, तभी मेरे कक्ष में विद्यालय की शिक्षिका आयशा हक बाहरी महिला के साथ मेरे कक्ष में आई। मैंने उससे आने की वजह पूछी तो, वह मुझे गाली देने लगी। अभी मैं कुछ समझ पाती वो मेरे पास आकर मेरा हाथ मरोड़कर मारना शुरू कर दी।

कक्ष में शोर मचाकर किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर बाहर भागी। कई लोगों ने आकर बीच बचाव किया। शिक्षिका ने गैर कानूनी कार्य किया, कक्षा संचालन में बाधा पहुंचाई। बिना अनुमति के बाहरी महिलाओं को बुलाकर विद्यालय का वातावरण को अशांत कर दिया। शिक्षिका ने धमकी दी कि उसके घर वाले गुंडे व अपराधी किस्म के हैं, वे पूरे परिवार को जान से मार देंगे। कोतवाली पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

Changed Religion

I Arun Kumar Gautam s/o Mangroo Rao H.N. 3165 Mo- Anand Nagar Katra District- Basti Uattar Pradesh Pin code- 272001 Do Hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Buddhism religion and renounced Hinduism religion
w.e.f. 02-07-2023
I have changed only my religion not my name.
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection
Arun Kumar Gautam

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com